# बिजली/तड़ित और बज्रपात

## बज्रपात के दौरान खतरे :-

तड़ित/बज्रपात के दौरान कई लोग मरते या घायल होते हैं । कई घायल होते है । कई घायल होने कि घटनाए सामने आयी -बज्रपात के समय टेलीफोन का इस्तेमाल करने से लगी बिजली के झटके से ,बज्रपात के दौरान निम्नलिखित सावधानियां ध्यान में रखें :-

## तुरंत कार्यवाही करें

- बिजली -मिस्तरी से सलाह मश्वरा कर के घर में तड़ित-चालक लगवाएं

**अगर आप बाहर हो (बज्रपात के समय)**

- अगर आप बिजली चमकने के 10 सेकेण्ड के बाद गर्जन सुनाई देती है तो इसका मतलब तो वो आपसे 3 कि0मी0 दूर है । अत: तुरंत ही सुरक्षित आश्रय ढूढ़ गर्जन और बिजली चमकने में जितना कम समय लगता उतना ज्यादा पास में होता

**अगर आप घर के अंदर हो :-**

- ऑधी आने के पहले टीवी, रेडियो, और कंप्यूटर सभी का मोडेम और पॉवर प्लग निकाल दें ।
- सारे पर्दे लगा दें । खिड़कियां बंद रखे । बिजली से चलने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल ना करें ।
- टेलीफोन का इस्तेमाल ना कें । आपातकाल में फोन करें पर विद्युत चालक वस्तुओं को ना छुए । खाली पैर फर्श या जमीन पर ना खड़े रहें ।

## प्राथमिक उपचार

- तुरंत हृदय के पास मालिश करें, और मुंह द्वारा पुनरूज्जीवन क्रिया करें । ऐसा तब तक करते रहें जब तक कि कोई मदद ना पहुंचे।(आपको रोगी से को बिजली नहीं लगेगी)

➔ **बज्रपात के कुछ तथ्थ और कुछ गलत धारणएं :-**

- जब किसी पर बिजली गिरती है तो वो जल नहीं जाता बल्कि उसके हृदय और श्वास नली पर असर होता है ।
- करीबन 30% लोग जिन पर बज्रपात होता हैं मरतें हैं । अगर प्राथमिक उपचार सही समय पर दिया जाए तो कोई लंबी बिमारी की संभावना भी बहुत कम हो जाती हैं ।
- अगर आपके कपड़े गीले हैं तो आप पर बज्रपात का उतना असर नहीं होगा क्योंकि आवेगित चार्ज कण गीले कपड़े से गुजर जाएगा ना कि शरीर से
- एक ही जगह पर बज्रपात कई बार हो सकता है ।